गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 101
दि. 09.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी के स्वागत के लिए चीन तैयार, ट्रंप से तनाव के बीच होगा दोस्ती का 'महा सम्मेलन'

(जीएनएस)।

चीन में होने वाली SCO समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित भागीदारी का शी जिनपिंग ने गर्मजोशी से स्वागत किया है। यह सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

'दोस्ती का सम्मेलन'

जियाकुन ने कहा, "चीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रउड तियानजिन समिट में भागीदारी के लिए स्वागत करता है। हमें विश्वास है कि सभी पक्षों के साझा प्रयासों से यह सम्मेलन एकजुटता, मित्रता और सार्थक परिणामों का प्रतीक बनेगा।" उन्होंने आगे कहा कि यह बैठक एससीओ को "एक नई ऊंचाई पर पहुंचाएगी, जिसमें अधिक समन्वय, ऊर्जा और उत्पादकता देखने को मिलेगी।" चीन ने इस सम्मेलन को 'दोस्ती का सम्मेलन' बताया है।

यह संभावित यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका ने भारत के खिलाफ 50% टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसकी चीन पहले ही कड़ी आलोचना कर चुका है। पीएम मोदी चीन यात्रा से पहले जापान भी जा सकते हैं, जहां वे जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ इस सालाना द्विपक्षीय सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं।

पहले भी दो बार मोदी जा चुके हैं चीन

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा का एक इतिहास रहा है। इससे पहले वे 2018 में दो बार चीन का दौरा कर चुके हैं। पहली बार अप्रैल में उन्होंने वुहान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक अनौपचारिक शिखर वार्ता की थी। दूसरी बार, जून में किंगदाओ में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गए थे।

2019 में भारत आए थे जिनपिंग

इसके बाद 2019 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे, जहां दूसरी अनौपचारिक शिखर बैठक हुई थी। यह बैठक 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की एक महत्वपूर्ण कोशिश थी।

गलवान घाटी झड़प के बाद बदले थे समीकरण

हालांकि, 2020 में भारत-चीन संबंधों में भारी गिरावट आई, जब लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर झड़पें हुईं और गलवान घाटी में खूनी संघर्ष हुआ। जून 2020 की उस झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीन के भी कई सैनिक मारे गए थे।

'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव' महान क्रान्तिकारियों के स्मरण का एक महान दिवस, यह वर्तमान पीढ़ी के लिए एक नई प्रेरणा : मुख्यमंत्री

(जीएनएस)।

लखनऊ : आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का समापन कार्यक्रम है। आज से 100 वर्ष पहले 09 अगस्त, 1925 को काकोरी ट्रेन एक्शन के माध्यम से उस समय के महान क्रान्तिकारियों ने भारत की जनता के खून-पसीने की कमाई को इंग्लैंड ले जाने का कुत्सित प्रयास करने वाली ब्रिटिश हुकूमत के खजाने को अपने कब्जे में लेकर क्रान्तिकारी गतिविधियों को आगे बढ़ाया था।

मुख्यमंत्री जी आज यहां काकोरी शहीद स्मारक, लखनऊ में 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह एवं वीरों को नमन' कार्यक्रम के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने काकोरी शहीद स्मारक में स्थित शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर

श्रद्धांजलि दी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने पुस्तक 'काकोरी ट्रेन एक्शन-साहस, बलिदान एवं आजादी की कहानी' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश राज्य अभिलेखागार, उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गयी काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने शहीद स्मारक प्रांगण में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री जी ने फोटो बूथ पर सेल्फी ली तथा बालिकाओं से राखी बंधवाई। समारोह में संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 100 कलाकारों द्वारा 'काकोरी की अमर गाथा' नाट्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली विस ने स्कूल फीस विनियमन विधेयक को मंजूरी दी, जिससे अभिभावकों को फीस वृद्धि पर वीटो पावर मिल गई

दिल्ली विधानसभा ने स्कूल फीस विनियमन विधेयक, 2025 को मंजूरी दे

दी है, जिससे माता-पिता को फीस वृद्धि पर वीटो शक्ति मिल गई है। यह कानून सुनिश्चित करता है कि स्कूल प्रबंधन एकतरफा फीस नहीं बढ़ा सकता। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अगर एक भी माता-पिता असहमत होते हैं, तो फीस वृद्धि का प्रस्ताव स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। बधाई सन्देश में मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पारस्परिक प्रेम, स्नेह व विश्वास का त्योहार है। यह पर्व कर्तव्य, आत्मीयता, त्याग, सामाजिक एकता व सद्भाव की भावना का प्रतीक है। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व तो है ही, यह भारत की गुरु-शिष्य परम्परा का त्योहार भी है। रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण मास में आश्रम परम्परा में अध्ययन और यज्ञ आदि कर्म के उपरान्त यजमानों और शिष्यों को रक्षासूत्र बांधने की प्रथा थी, जिसका पालन रक्षाबंधन के रूप में भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के दक्षिण जोन के लांभा वार्ड में अर्बन फॉरेस्ट पार्क का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री ने अर्बन फॉरेस्ट पार्क में लगाई गई भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा का अनावरण किया

गांधीनगर, 08 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अहमदाबाद के दक्षिण जोन के लांभा वार्ड मंच सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर विकसित किए गए अर्बन फॉरेस्ट पार्क का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

लांभा वार्ड में तैयार किया गया यह अर्बन फॉरेस्ट 4464 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है। इस गार्डन को 55 लाख रुपए की लागत से विकसित किया गया है।

इस अर्बन फॉरेस्ट में मियावाकी पद्धति से साग, खेर, बांस, सीसम और अर्जुन जैसे लगभग 8000 देशी पेड़ लगाए गए हैं। इतना ही नहीं, यहां 250 मीटर लंबाई का वॉक-वे भी तैयार किया गया है।

अर्बन फॉरेस्ट पार्क के लोकार्पण अवसर पर अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, मनपा आयुक्त श्री बंछानिधी पाणि, शहर के विधायक, पार्षद और महानगर पालिका के पदाधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में अहमदाबाद महानगर पालिका ने अहमदाबाद शहर को भारत का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के संकल्प को पूरा किया है

अब, क्लीन सिटी अहमदाबाद को ग्रीन सिटी बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए महानगर पालिका ने मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में 40 लाख पेड़ लगाने के लिए मिशन फोर मिलियन ट्रीज 2025 अभियान शुरू किया है।

ट्रंप के 50% टैरिफ पर शशि थरूर ने अमेरिका को दी चेतावनी, बोले- क्या भारत की परवाह है?

(जीएनएस)।

अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामान पर 50% टैरिफ लगाने का एक बड़ा फैसला किया है, जिसने दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में नई तनाव की स्थिति पैदा कर दी है। इस कदम के बाद राजनीतिक और आर्थिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस निर्णय को "चिंताजनक" बताते हुए अमेरिकी प्रशासन पर सवाल उठाए हैं कि क्या वे भारत के साथ अपने महत्वपूर्ण रिश्तों की कद्र करते हैं या नहीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका भारत के साथ अच्छे संबंधों को महत्व नहीं देता, तो भारत को भी उसी आधार पर अपने कदम उठाने चाहिए।

थरूर ने सुझाव दिया है कि भारत को अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर वर्तमान में लगाए जा रहे औसत 17% टैरिफ को बढ़ाकर 50% तक कर देना चाहिए। इससे व्यापार में संतुलन कायम हो सकेगा और भारत की राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का संरक्षण किया जा सके। इस पूरे विवाद शशि थरूर ने क्या कहा विस्तार से जानिए...

थरूर के अनुसार, अमेरिका और भारत के बीच करीबी रिश्ते और रणनीतिक साझेदारी रही है, लेकिन अगर अमेरिका ने अपना रवैया बदल लिया है, तो भारत को भी अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, "अगर आने वाले दो से तीन हफ्तों में बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकलता है तो ठीक है, लेकिन हमें अपने हितों की सुरक्षा करनी ही होगी।"

थरूर ने सुझाव दिया कि भारत को भी अमेरिका से आने वाले सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 50% कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय भारत औसतन 17% टैरिफ लगाता है,

लेकिन अब इसे अमेरिका के स्तर तक ले जाना चाहिए। "जब वे 50% कर रहे हैं तो हम 17% पर क्यों रुकें? हमें भी 50% करना चाहिए।"

दरअसल, बुधवार, 6 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत भारत से आने वाले सामान पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगा दिया गया। इससे कुल शुल्क दर 50% हो गई।

ट्रंप ने इस कदम के पीछे भारत के रूस के साथ व्यापार, खासकर तेल खरीद को मुख्य कारण बताया। अमेरिका के इस फैसले के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे "अनुचित, अन्यायपूर्ण और असंगत" करार दिया और कहा कि देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

थरूर ने चेतावनी दी कि 50% टैरिफ का असर दोनों देशों के व्यापार पर पड़ेगा। वर्तमान में भारत का अमेरिका के साथ करीब 90 अरब डॉलर का व्यापार है। उन्होंने कहा कि "अगर हर चीज 50% महंगी हो जाएगी तो खरीदार भी सोचेंगे कि भारतीय सामान क्यों खरीदें?" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी देश को भारत को इस तरह से धमकाने का अधिकार नहीं है।

थरूर ने कहा कि आने वाले दो से तीन हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच बातचीत हो सकती है, जिससे कोई समाधान निकल सके। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि "अगर उस देश का रवैया बदल गया है, तो भारत को भी कई चीजों पर विचार करना होगा और अपने हित खुद देखने होंगे।

पीके की तीसरी किस्त ने उड़ाई एनडीए की नींद, सबूतों के साथ भाजपा के नेता-मंत्री को कटघरे में किया खड़ा

सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने एक बार फिर बिहार सरकार के बड़े मंत्री पर बड़ा हमला बोला है। पटना में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के तीसरे भाग में पीके ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और दिलीप जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्रशांत किशोर ने दावा किया कि दिलीप जायसवाल से रिश्वत लेकर फ्लैट खरीदने, एमजीएम मेडिकल कॉलेज को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने, और एम्बुलेंस खरीद में घोटाला हुआ है। पीके ने दस्तावेजी सबूतों के साथ भाजपा और इसके मंत्रियों को कठघरे में खड़ा किया।

भारत सरकार ने अमेरिका से हथियारों की खरीद बंद कर दी? रॉयटर्स के दावे पर रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा

(जीएनएस)।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते टैरिफ विवाद के बीच हथियार और विमान खरीद को लेकर नई हलचल मच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दावा किया था कि, भारत ने अमेरिका से रक्षा खरीद की अपनी योजना को रोक दिया है।

यह खबर ऐसे समय आई है, जब दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक मोर्चों पर तनाव लगातार बढ़ रहा है।हालांकि, रक्षा मंत्रालय ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा?

मंत्रालय का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा खरीद संबंधी वार्ता में कोई रुकावट नहीं आई है और विभिन्न परियोजनाएं तय प्रक्रिया के मुताबिक आगे बढ़ रही हैं। मंत्रालय ने रॉयटर्स की रिपोर्ट को 'झूठा और मनगढ़ंत' बताते हुए साफ किया कि टैरिफ विवाद का रक्षा खरीद पर कोई असर नहीं पड़ा है।

रॉयटर्स ने क्या कहा था?

रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत में असंतोष बढ़ा है। इस असंतोष के चलते केंद्र सरकार ने अमेरिका से नए हथियार और विमान खरीदने की योजना को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है।

खबर में कहा गया कि इस फैसले की जानकारी तीन भारतीय अधिकारियों ने दी, जो मामले से सीधे तौर पर जुड़े हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, ट्रंप ने 6 अगस्त को भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर नाराजगी जताई थी और भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। इससे पहले ही लगाए गए 25 प्रतिशत टैरिफ को मिलाकर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया, जो किसी भी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार के लिए सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ट्रंप ने भारत पर यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को आर्थिक मदद पहुंचाने का आरोप लगाया था।

पीएम मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम ने सरकार की भर दी झोली, संसद में मंत्री ने बताया कितनी हुई कमाई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' न सिर्फ आम लोगों से संवाद का प्रभावी मंच बन चुका है, बल्कि यह सरकार के लिए कमाई का अहम जरिया भी बन गया है। जनहित के मुद्दों को सीधे जनता तक पहुंचाने वाला यह कार्यक्रम पारंपरिक और डिजिटल दोनों माध्यमों से करोड़ों लोगों से जुड़ चुका है और आज एक मजबूत जन-संवाद का माध्यम बन चुका है।

'मन की बात' सिर्फ रेडियो तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी पहुंच सोशल मीडिया और डिजिटल स्पेस में भी साफ नजर आती है। हर महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम अब एक राष्ट्रीय संवाद मंच बन गया है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये की आय हो रही है। यह बात संसद में सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने बताई।

इतने रुपए की हो चुकी है कमाई

सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने राज्यसभा में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से अब तक कुल 34.13 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का निर्माण आकाशवाणी अपने मौजूदा संसाधनों के जरिए करता है और इसके लिए किसी भी तरह का अतिरिक्त खर्च नहीं किया जाता।

'क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारित होता'

मंत्री मुरुगन ने यह भी बताया कि 'मन की बात' का प्रसारण न सिर्फ आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे पारंपरिक माध्यमों से होता है, बल्कि यह डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी व्यापक रूप से उपलब्ध है। कार्यक्रम को डीडी फ्री डिश के अलावा 48 आकाशवाणी रेडियो चैनलों और 92 निजी टीवी चैनलों पर प्रसारित किया जाता है। इसके अलावा यह क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारित होता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

डिजिटल माध्यमों पर इसकी पहुंच लगातार बढ़ रही

सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने यह भी बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम को पारंपरिक माध्यमों के अलावा डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी बड़ी संख्या में लोग सुनते और देखते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजऑनएआईआर मोबाइल ऐप पर 260 से अधिक आकाशवाणी चैनल उपलब्ध हैं, जहां यह कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित होता है।

इसके अलावा 'मन की बात' प्रसार भारती की न्यूज फीड सेवा 'पीबी शब्द' पर भी सुना जा सकता है।

सम्पादकीय

ट्रंप अभी भी कर रहे रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने अतिरिक्त जुमार्ना लगाने की बात

भारत में मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और चारा बेचना चाहता है अमेरिका दूध के बाजार को अमेरिका हड़पना चाहता है। जबकि वेंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वुछ माह पहले ही दस हजार नईं वृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाईं है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए वृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की है। भारत में मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और चारा बेचना चाहता है अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऊल-जलूल टैरिफ संबंधी घोषणाएं करके भारत पर बेवजह दबाव बनाने में लगे हैं। उन्होंने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एकतरफा निर्णय ले लिया है। यही नहीं ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने की वजह से अतिरित्त जुमार्ना लगाने की बात भी कही है। यह टैरिफ देशी भारतीय दुग्ध एवं वृषि उत्पाद हड़पने की दृष्टि से भी लगाया गया है। जिससे भारत दबाव में आकर इन उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दे। लेकिन भारत भलि-भांति जानता है कि अमेरिका के सस्ते अनाज,पसु चारा और मांसाहारी चीज (पनीर) के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता है तो किसान तो तबाह होगा ही शाकाहारी संस्वृति को भी पलीता लगेगा। साथ ही भारत सरकार जिन प्राथमिक वृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बढ़ावा देकर वृषि और दूध उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रही है, वह विचार भी चकनाचूर हो जाएगा। इसलिए सरकार ने साफ कह दिया है कि इन क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। वैसे भी अब यह सच्चाईं सामने आ रही है कि एकतरफा वैश्वीकरण से दुनिया का भला होने वाला नहीं है। अतएव स्वदेशी उत्पादों के जरिए ही आत्मनिर्भर बने रहने की पहल जारी रखनी होगी। भारत इस दिशा में मजबूती से बढ़ भी रहा है। इसलिए ट्रंप जैसे वाचाल और सनकी शासक की परवाह करने की जरूरत नहीं है। भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय त्रषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाईं की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत मध्ययम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय वृषि निर्भर रही है। इसी वृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दुग्ध उत्पाद और पशु चारा बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर भी टिकी हैं। इस बाबत अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। इसी समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल हैं। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया है कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों और पशु चारे को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्वृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। दरअसल अमेरिका मांसयुत्त चीज (पनीर) और पनीर भारत में बेचने का इच्छुक है। इस चीज को बनाने की प्रव्रिया में बछड़े की आंत से बने एक पदार्थ का इस्तेमाल होता है। अत्यंत घिनौना वृत्य करके इसे चीज में मिलाया जाता है। शाकाहारी लोग इस प्रव्रिया को देख भी नहीं सकते हैं। इसलिए भारत के शाकाहारियों के लिए यह पनीर वंजित है। गौ-सेवक व गऊ को मां मानने वाला भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। अमेरिका में गायों को मांसयुत्त चारा खिलाया जाता है, जिससे वे ज्यादा दूध दें। हमारे यहां गाय-भैंसें भले ही वूड़ेक चरे में मुंह मारती फिरती हों, लेकिन दुधारू पशुओं को मांस खिलाने की बात कोईं सपने में भी नहीं सोच सकता ? लिहाजा अमेरिका को चीज बेचने की इजाजत नहीं मिल पा रही है। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत व्रांति का नाम दिया गया।

10 अगस्त, विश्व शेर दिवस : वन्यजीव संरक्षण में अग्रणी गुजरात

17 शेरों और 25 तेंदुओं की दहाड़ से गूंज रहा बरडा वन्यजीव अभयारण्य

गुजरात में एशियाई शेरों की आबादी 891 हुई, शेरों के आवास के विस्तार और संरक्षण का सफल मॉडल बना बरडा अभयारण्य

बरडा जंगल सफारी बनी पर्यटकों के लिए नया आकर्षण, इको-टूरिज्म को मिला बढ़ावा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'प्रोजेक्ट लायनश और इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस के जरिए वन्यजीव संरक्षण में भारत की स्थिति हुई मजबूत

गांधीनगर, 08 अगस्त : भारत की शान एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास गुजरात में है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है। 10 अगस्त को विश्व शेर दिवस के अवसर पर गिर के अलावा बरडा वन्यजीव अभयारण्य में एशियाई शेरों की मजबूत उपस्थिति का उल्लेख प्रासंगिक होगा, जो वन्यजीवों, विशेषकर शेरों के संरक्षण के लिए गुजरात की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के वन एवं पर्यावरण विभाग ने बरडा अभयारण्य में वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग और सामुदायिक भागीदारी से शेरों के लिए अनुकूल आवास सुनिश्चित किया है। इसका सुखद परिणाम यह है कि बरडा अब 17 एशियाई शेरों का दूसरा घर बन गया है।

बरडा अभयारण्य में 17 एशियाई शेरों और 25 तेंदुओं की मौजूदगी

2023 की वन्यजीव गणना के

अनुसार बरडा अभयारण्य में 17 एशियाई शेरों और 25 तेंदुओं की मौजूदगी है। वन एवं पर्यावरण विभाग ने घास के मैदानों की पुनर्स्थापना, शेरों के भोजन के लिए जानवरों की संख्या में वृद्धि तथा टेक्नोलॉजी-आधारित वन्यजीव ट्रैकिंग जैसे व्यापक संरक्षण उपाय किए हैं ताकि अभयारण्य अधिक से अधिक वन्यजीवों के लिए एक अनुकूल आवास बन सके। बरडा अभयारण्य की यह प्रगति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट लायन' के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसमें गिर के बाहर शेरों के आवास का विस्तार करना, वन्यजीवों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना और दीर्घकालिक पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना शामिल है।

बरडा वन्यजीव अभयारण्य : वन्यजीव संरक्षण का एक रणनीतिक केंद्र

पोरबंदर के निकट स्थित बरडा वन्यजीव अभयारण्य आवास विविधीकरण के लिए 'प्रोजेक्ट लायन' के अंतर्गत एक मुख्य केंद्र है। बरडा वन्यजीव अभयारण्य अनिवार्य सुविधाओं और सुरक्षा के कारण शेरों के लिए एक आदर्श आवास बन गया है। यहां रेडियो कॉलर और रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से शेरों की निगरानी और अधिक प्रभावी बन गई है। बरडा वन्यजीव अभयारण्य में शेरों और तेंदुओं, दोनों की मौजूदगी एक स्वस्थ इकोसिस्टम को दशार्ती है।

पर्यटकों के बीच बरडा जंगल सफारी का आकर्षण, इको-टूरिज्म को बढ़ावा

गुजरात वन विभाग इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन देने और संरक्षण को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 16 अक्टूबर से 15 जून के दौरान बरडा वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आयोजन करता है। पर्यटकों को सफारी की एक ट्रिप (अधिकतम 6 लोग) के लिए कुल 2200 रुपए का खर्च करना होगा, जिसमें 1400 रुपए जिप्सी वाहन शुल्क, 400 रुपए गाइड शुल्क और सरकारी परमिट के लिए 400 रुपए का शुल्क शामिल हैं। इसके अलावा, पर्यटकों के लिए पार्किंग एरिया, वेटिंग लाउंज और सैनिटेशन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस अभयारण्य में किलेश्वर महादेव मंदिर भी स्थित है, जो पूरे वर्ष पर्यटकों के लिए खुला रहता है।

वन्यजीव संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करके और लोगों को संरक्षण प्रयासों के केंद्र में रखकर वन्यजीव संरक्षण कर रहा है। स्थानीय समुदाय, विशेषकर मालधारी पशुपालक समूहों, इको-टूरिज्म और वन्यजीव संरक्षण में मदद करते हैं। यह सहभागी मॉडल केवल संरक्षण प्रयासों को ही मजबूत नहीं बनाता, बल्कि यह अभयारण्य की दीर्घकालिक सफलता में समुदायों की भागीदारी भी सुनिश्चित करता है।

गुजरात में शेरों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि

2025 में हुई शेरों की गणना के अनुसार गुजरात में एशियाई शेरों की आबादी 891 तक पहुंच गई है, जिनमें से 50 फीसदी से अधिक शेर गिर संरक्षित क्षेत्र के बाहर निवास करते हैं। यह परिवर्तन 'प्रोजेक्ट लायन' के अंतर्गत आवास विस्तार और समुदाय-संचालित संरक्षण की प्रभावशीलता पर जोर देता है। बरडा का विकास बड़े मांसाहारी जानवरों के संरक्षण में भारत के नेतृत्व को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वैश्विक पहल- इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) - शेर, बाघ, तेंदुआ और चीता जैसे मांसाहारी जानवरों के संरक्षण प्रयासों में भारत को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करती है।

एशियाई शेरों के संरक्षण में बरडा वन्यजीव अभयारण्य की उल्लेखनीय सफलता टिकाऊ विकास का एक शानदार उदाहरण है। यह मॉडल प्रधानमंत्री के विजन 'विकास भी, विरासत भी' के अनुरूप है, जो पर्यावरणीय विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास भी सुनिश्चित करता है।

असम और त्रिपुरा के लिए विद्यमान केंद्रीय क्षेत्र विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) योजना के अंतर्गत 4,250 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ चार नए घटकों को अनुमति दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम और त्रिपुरा के लिए विद्यमान केंद्रीय क्षेत्र विशेष विकास पैकेज (एसडीपी) योजना के अंतर्गत 4,250 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ चार नए घटकों को अनुमति दी है।

विवरण:

- भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के जनजातीय समूहों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओएस) के अनुसार असम के जनजाति बहुल गाँवों/क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये।
- भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (डीएनएलए)/दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीपीएसी) समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, असम के दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी/दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल के बसे हुए गाँवों/क्षेत्रों के उत्तरी कैचर हिल्स स्वायत्त परिषद (एनसीएचएसी) क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये।
- भारत सरकार और असम सरकार द्वारा असम के उल्फा समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, असम राज्य में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये।

- भारत सरकार और त्रिपुरा सरकार द्वारा त्रिपुरा के नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) समूहों के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, त्रिपुरा के जनजातियों के विकास के लिए 250 करोड़ रुपये।

वित्तीय पहलू: प्रस्तावित चार नए घटकों का कुल परिव्यय 7,250 करोड़ रुपये होगा, जिसमें से 4,250 करोड़ रुपये असम (4000 करोड़ रुपये) और त्रिपुरा (250 करोड़ रुपये) के लिए विशेष विकास पैकेजों की विद्यमान केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाएँगे, और शेष 3,000 करोड़ रुपये असम राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से प्रदान किए जाएँगे।

भारत सरकार, असम और त्रिपुरा की राज्य सरकारों और संबंधित राज्य के जातीय समूहों के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार, 4,250 करोड़ रुपये में से, वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक पाँच वर्षों की अवधि के लिए 4,000 करोड़ रुपये का परिव्यय असम के तीन घटकों के लिए और वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए 250 करोड़ रुपये का परिव्यय त्रिपुरा के एक घटक के लिए है।

रोजगार सृजन क्षमता सहित प्रभाव:

- बुनियादी ढाँचा और आजीविका परियोजनाएँ रोजगार सृजित करेंगी
- कौशल विकास, आय सृजन और स्थानीय उद्यमिता के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को लाभान्वित करेंगी
- स्थिरता लाने और प्रभावित समुदायों के मुख्यधारा में सम्मिलित होने की उम्मीद है

लाभ: यह योजना विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों असम और त्रिपुरा के लिए लक्षित है। यह निम्नलिखित माध्यमों से भागीदारी को प्रोत्साहन देगी:

- विभिन्न मौजूदा सरकारी योजनाओं से पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं करने वाले कमजोर और वंचित लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार;
- युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका गतिविधियों के माध्यम से रोजगार के अवसरों को प्रोत्साहन देना, स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना, शिक्षा, कौशल और आय को प्रोत्साहन देना;
- देश के अन्य भागों से पर्यटकों की संख्या बढ़ाना, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के अधिक अवसर सृजित होंगे। इसके माध्यम से, असम के जनजाति और दिमासा समुदायों, असम के विभिन्न अन्य ज़िलों में रहने वाले लोगों और त्रिपुरा के जनजाति समुदायों के लाखों लोग लाभान्वित होंगे। यह विशेष विकास पैकेजों की चल रही केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत एक नई पहल है। पिछले समझौता ज्ञापन -आधारित पैकेजों (जैसे, बोडो और कार्बी समूहों के लिए) ने शांति स्थापना और विकास में सकारात्मक परिणाम प्रदर्शित किए हैं।

पृष्ठभूमि: भारत सरकार, असम और त्रिपुरा राज्य सरकार और संबंधित जातीय समूहों (आदिवासी समूह - 2022, डीएनएलए/डीपीएससी - 2023, उल्फा - 2023, एनएलएफटी/एटीटीएफ - 2024) के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे और सामाजिक-आर्थिक परियोजनाओं के माध्यम से शांति, समावेशी विकास और पुनर्वास को प्रोत्साहन प्रदान करना है।

बहु-विषयक शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा में अनुसंधान सुधार (मेरिट) स्कीम के लिए बजटीय सहायता को मंजूरी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 175 इंजीनियरिंग संस्थानों और 100 पॉलिटेक्निक संस्थानों सहित 275 तकनीकी संस्थानों में 'तकनीकी शिक्षा में बहु-विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान सुधार' (मेरिट) स्कीम के कार्यान्वयन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप युक्तियों को क्रियान्वित कर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और शासन में सुधार करना है।

यह एक 'केंद्रीय क्षेत्र स्कीम' है, जिसका कुल वित्तीय प्रभाव 2025-26 से 2029-30 की अवधि के लिए 4,200 करोड़ रुपये है। 4,200 करोड़ रुपये में से विश्व बैंक से ऋण के रूप में 2,100 करोड़ रुपये की बा' सहायता प्राप्त होगी।

लाभ:

इस स्कीम के अंतर्गत अनुमानित 275 सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थानों का चयन और सहायता की जाएगी। इनमें चुनिंदा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), राज्य इंजीनियरिंग संस्थान, पॉलिटेक्निक और संबद्ध तकनीकी विश्वविद्यालय (एटीयू) शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, तकनीकी शिक्षा क्षेत्र से संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के विभागों को भी मेरिट योजना के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, इस स्कीम से लगभग 7.5 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

रोजगार सृजन सहित प्रभाव:

इस योजना से अपेक्षित प्रमुख परिणाम/आउटपुट इस प्रकार हैं:

भाग लेने वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में डिजिटलीकरण कार्यनीतियां,

तकनीकी पाठ्यक्रमों के बीच बहु-विषयक प्रोग्राम के लिए दिशानिदेर्शों का विकास,

छात्रों के अध्ययन और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि,

छात्र समूहों में छात्रों की परिवर्तन दर में वृद्धि,

सुदृढ़ अनुसंधान और नवोन्मेषण वातावरण,

बेहतर गुणवत्ता आश्वासन और शासन तंत्र जिसके परिणामस्वरूप दीर्घकालिक लाभ होंगे,

प्रत्यायन में वृद्धि और बेहतर तकनीकी शिक्षा संस्थान-स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन,

प्रासंगिक, श्रम बाजार के अनुकूल पाठ्यक्रम और मिश्रित पाठ्यक्रम विकसित और लागू किए गए,

भावी शैक्षणिक प्रशासकों, विशेषकर महिला संकाय का विकास।

कार्यान्वयन रणनीति और लक्ष्य

यह स्कीम सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों और पॉलिटेक्निकों में कार्यान्वित की जाएगी। ये युक्तियां एनईपी-2020 के अनुरूप हैं और इनका उद्देश्य भाग लेने वाले संस्थानों की गुणवत्ता, समानता और शासन को बढ़ाना है। इसे एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में लागू किया जाएगा और इसमें एक केंद्रीय नोडल एजेंसी के माध्यम से केंद्र सरकार से भाग लेने वाली संस्थाओं को धन हस्तांतरण की सुविधा होगी।

आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान और एआईसीटीई, एनबीए आदि जैसे उच्च शिक्षा क्षेत्र में नियामकीय निकाय भी योजना के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रोजगार सृजन:

यह पहल एक व्यापक, बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों की रोजगारपरकता में सुधार के लिए उनके कौशल को बढ़ाने पर जोर देती है। प्रमुख युक्तियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रस्तुत करना, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करना, संकाय विकास कार्यक्रमों का आयोजन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करना शामिल है।

विपणन कंपनियों को घरेलू एलपीजी में हुए नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 30,000 करोड़ रुपए की मंजूरी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू रसोई गैस की बिक्री पर हुए घाटे के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल) को 30,000 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की है। तेल विपणन कंपनियों को इस क्षतिपूर्ति राशि का वितरण पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। यह राशि बारह किस्तों में दी जाएगी।

उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी सिलेंडर सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों अर्थात आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल द्वारा विनियमित कीमतों पर आपूर्ति किए जाते हैं।

एलपीजी की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें 2024-25 के दौरान उच्च स्तर पर बनी रहीं और आगे भी ऊंची बनी रहेंगी। हालांकि, उपभोक्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय एलपीजी कीमतों में उतार-चढ़ाव से राहत देने के लिए, बढ़ी हुई लागत का बोझ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया जिससे तीनों तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ। घाटे के बावजूद, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने देश में किफायती कीमतों पर घरेलू एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की है।

इस मुआवजे से तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल और एलपीजी की खरीद, ऋण की अदायगी और अपने पूंजीगत व्यय को बनाए रखने जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी जिससे देश भर में एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव से उपभोक्ताओं की रक्षा करने और साथ ही इन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की वित्तीय स्थिति को बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। यह पहल, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत आने वाले घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं सहित सभी उपभोक्ताओं को स्वच्छ रसोई ईंधन की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

कैबिनेट ने 2157 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर तमिलनाडु में 4-लेन मरक्कनम-पुडुचेरी राजमार्ग (एनएच-332ए) के निर्माण को मंजूरी दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने तमिलनाडु में मरक्कनम- पुडुचेरी (46 किलोमीटर) 4-लेन राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का विकास हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) के तहत किया जाएगा, जिसकी कुल पूंजीगत लागत 2,157 करोड़ रुपये होगी।

वर्तमान में, चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपट्टिनम के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 332ए (एनएच-332ए) और संबंधित राज्य राजमार्गों पर निर्भर है, जहां यातायात की अधिकता के कारण, विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों और गलियारे वाले प्रमुख कस्बों में, काफी भीड़भाड़ रहती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, यह परियोजना मरक्कनम से पुडुचेरी तक लगभग 46 किलोमीटर लंबे एनएच-332ए को 4-लेन में अपग्रेड करेगी। इससे मौजूदा गलियारे पर भीड़भाड़ कम होगी, सुरक्षा में सुधार होगा और चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपट्टिनम जैसे तेजी से बढ़ते शहरों की आवागमन संबंधी जरूरतें पूरी होंगी।

यह परियोजना दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-32, एनएच-332) और दो राज्य राजमार्गों (एसएच-136, एसएच-203) को जोड़ती है, जिससे तमिलनाडु के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक केंद्रों तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, उन्नत गलियारा दो रेलवे स्टेशनों (पुडुचेरी, चिन्नाबाबूसमुद्रम), दो हवाई अड्डों (चेन्नई, पुडुचेरी) और एक छोटे बंदरगाह (कुड्डालोर) से जुड़कर मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन को बढ़ाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में माल ढुलाई और यात्रियों की शीघ्र आवाजाही संभव होगी।

परियोजना के पूरा होने पर, मरक्कनम-पुडुचेरी खंड क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, प्रमुख धार्मिक और आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क को मजबूत करेगा, पुडुचेरी में पर्यटन को बढ़ावा देगा और व्यापार एवं औद्योगिक विकास के नए रास्ते खोलेगा। यह परियोजना लगभग 8 लाख मानव-दिवस प्रत्यक्ष और 10 लाख मानव-दिवस अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा करेगी, और आसपास के क्षेत्रों में विकास, प्रगति और समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

राजकोट मंडल में डबल ट्रैक कार्य के चलते कुछ और ट्रेनें होंगी प्रभावित

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल-पीपली-कानालुस सेक्शन में डबल ट्रैक कार्य के चलते 20 अगस्त से लेकर 23 अगस्त, 2025 तक कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

आंशिक रूप से रद्द की गयी ट्रेनें:

1. 21.08.2025 को मुंबई सेंट्रल से रवाना होने वाली ट्रेन नं 22945 मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल को जामनगर में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन जामनगर-ओखा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

2. 20.08.2025 को एरणाकुलम से रवाना होने वाली ट्रेन नं 16338 एरणाकुलम-ओखा एक्सप्रेस को हापा में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन हापा-ओखा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

3. 22.08.2025 की ट्रेन नं 22946 ओखा-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल ओखा की जगह जामनगर से शुरू होगी। इस तरह यह ट्रेन ओखा-जामनगर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

4. 23.08.2025 की ट्रेन नं 16337 ओखा-एरणाकुलम एक्सप्रेस ओखा की जगह हापा से शुरू होगी। इस तरह यह ट्रेन ओखा-हापा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

रिशेड्यूल की गयी ट्रेनें:

1. ट्रेन नं 15635 ओखा-गुवाहाटी एक्सप्रेस 22.08.2025 को ओखा से अपने निर्धारित समय 12.15 बजे की जगह 5 घंटा और 45 मिनट की देरी से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी।

2. ट्रेन नं 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 22.08.2025 को पोरबंदर से अपने निर्धारित समय 19.40 बजे की जगह 1 घंटा और 10 मिनट की देरी से 20.50 बजे प्रस्थान करेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

अमित शाह एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री,बिहार द्वारा सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

अमित शाह,गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा दिनांक 08.08.2025 को सीतामढ़ी से नई दिल्ली के लिए एक नई अमृत भारत ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया । आज इसका परिचालन सीतामढ़ी से 05599 सीतामढ़ी-दिल्ली उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया ।

दिल्ली और सीतामढ़ी के मध्य गाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दिल्ली से 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सीतामढ़ी से 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जाएगा ।

गाड़ी सं. 14048 दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर गाजियाबाद, टुंडला, कानपुर सेंट्रल,

लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसिवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनिया स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 14047 सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को सीतामढ़ी से 22.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 22.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

विदित हो भारतीय रेल की ओर से बिहार को मिलने वाली यह सातवीं अमृत भारत ट्रेन है। इससे पहले जब देश में पहली बार अमृत भारत ट्रेनें बनकर तैयार हुई थी, तो उनका परिचालन दरभंगा से वाया अयोध्या आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच किया गया था। सहरसा और मुंबई के मध्य अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का प्रारंभ माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया था । इसके अलावा पटना और नई दिल्ली के बीच प्रतिदिन अमृत भारत एक्सप्रेस के साथ-साथ मोतिहारी से आनंद विहार के लिए, दरभंगा से लखनऊ तथा भागलपुर, गया, सासाराम के रास्ते मालदा टाउन से लखनऊ के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिससे बिहार के लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में किया गया है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने स्वच्छता अभियान के दौरान किया श्रमदान, पश्चिम रेलवे पर बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है 'स्वच्छता अभियान'

(पहली तस्वीर) पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर श्रमदान करते हुए। (दूसरी तस्वीर) श्री गुप्ता मुंबई सेंट्रल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लेते हुए।

पश्चिम रेलवे द्वारा श्रमदान और वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

मुंबई,

भारतीय रेल द्वारा हमारे देश में मनाये जा रहे स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक भाग के रूप में स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वच्छता के राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए "स्वच्छता अभियान" मनाया जा रहा है। यह अभियान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित सभी जोनों और उत्पादन इकाइयों में दो चरणों में अर्थात 1 से 15 अगस्त, 2025 तक और उसके बाद 16 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2025 तक मनाया जा रहा है। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों अर्थात स्टेशनों, ट्रेनों, कॉलोनियों, कार्यालयों, डिपो और कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को दर्शाता है, साथ ही कर्मचारियों और यात्रियों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा देता है।

इसी भावना के साथ पश्चिम रेलवे भी अपने सभी मंडलों और इकाइयों में "स्वच्छता अभियान" का सक्रिय रूप से पालन कर रही है। इसी दृष्टिकोण को अपनाते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 8 अगस्त, 2025 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर श्रमदान में अग्रणी भूमिका निभाई और एक मिसाल कायम की। इस अवसर पर मुंबई सेंट्रल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी भी उनके साथ शामिल हुए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी को रेलवे स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद श्री गुप्ता ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, "स्वच्छता अभियान" "स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत" के दृष्टिकोण के अनुरूप सफाई, स्वच्छता, पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता पर जोर देता है। इस अभियान की शुरूआत महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्षों और क्षेत्रीय स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों, मंडल स्तर पर मंडल रेल प्रबंधकों और कारखाने स्तर पर मुख्य कारखाना प्रबंधकों द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई, जिसमें स्वच्छता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। श्री विनीत ने आगे बताया कि कर्मचारियों और जन-स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से कई स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, स्वच्छ रथ रैलियाँ और प्रभात फेरियाँ आयोजित की जा रही हैं। आम जनता को जोड़ने के लिए स्वच्छता थीम पर आधारित सेल्फी बूथ स्थापित किए गए हैं। कर्मचारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों की भागीदारी से स्टेशनों, कार्यालयों और रेलवे कॉलोनियों में सघन स्वच्छता अभियान और श्रमदान आयोजित किए जा रहे हैं। स्वच्छता कार्यकताओं के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाए जा रहे हैं। लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान चलाए जा रहे हैं। कैटरिंग कर्मचारियों के लिए जागरूकता अभियान और भोजनालयों, पेंट्री कारों और बेस किचन का निरीक्षण भी किया जा रहा है। यात्रियों को प्लास्टिक कचरे को कम करने और कचरे का उचित निपटान केवल कूड़ेदानों में करने के लिए प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हरित पहल के तहत, विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह सप्ताह के दौरान स्वच्छता अभियान में पश्चिम रेलवे की सक्रिय भागीदारी स्वच्छता, स्थिरता और सार्वजनिक सहभागिता के प्रति इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

बजाज समूह के शिशिर बजाज को मिला वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित 'सर्वोत्तम नागरिक सम्मान'

मुंबई, 8 अगस्त। मुंबई के प्रतिष्ठित होटल सहारा स्टार में आयोजित एक भव्य समारोह में बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन और बजाज समूह के वरिष्ठ मार्गदर्शक शिशिर बजाज को 'सर्वोत्तम नागरिक सम्मान -2025' से सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस सम्मान समारोह में महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति श्रीराम शिंदे तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार द्वारा अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ सम्मान मूर्तियों का सत्कार किया गया।सर्वोत्तम नागरिक सम्मान, मेघा श्रेय फाउंडेशन और श्रीमती सीमा सिंह द्वारा उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने समाज में अपने निःस्वार्थ समर्पण और सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में मिसाल कायम की है। इस वर्ष के समारोह में पद्मविभूषण डॉ. अनिल काकोडकर, पद्मभूषण डॉ. विजय भटकर, पद्मश्री डॉ. शंकर महादेवन, फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली, पद्मभूषण अनुपम खेर और पद्मश्री विजेंदर सिंह जैसे कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री शिशिर बजाज ने कहा कि हमारे मूलभूत सामाजिक प्रयास 1926 से शुरू हुए, जब मेरे दादाजी श्री जमनालाल बजाज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को समर्थन देने के लिए बजाज समूह की स्थापना की। उन्होंने बताया कि 1932 में उत्तर प्रदेश में हमारी पहली शुगर फैक्ट्री स्थापित की गई, जिसका उद्देश्य

देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में से एक बजाज समूह के परोपकारी संस्थान "बजाज फाउंडेशन" के चेयरमैन शिशिर बजाज वर्ष 2025 का "सर्वोत्तम नागरिक सम्मान" पुरस्कार ग्रहण करते हुए और मंच पर प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ दिखाई दे रहे हैं।

भारत को चीनी उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना था। तब से समूह ने व्यवसाय और सीएसआर दोनों क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण और भारतीय गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज हम राजस्थान में मेरी जन्म स्थली सीकर जिले के 1000 गाँवों में और मेरे दादाजी की कर्मभूमि महाराष्ट्र के वर्धा जिले के 1000 से अधिक गाँवों में समाज कल्याण के कार्य कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य ग्रामीण भारत के प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों का बहुमुखी विकास करना है, क्योंकि यह लक्ष्य 'विकसित और आत्मनिर्भर भारत' के उस निर्माण में अहम भूमिका निभाता है, जिसकी परिकल्पना हमारे प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक के लिए निर्धारित की है।

उल्लेखनीय है कि बजाज फाउंडेशन, श्री शिशिर बजाज और उनके पुत्रों कुशाग्र बजाज एवं अपूर्व बजाज के नेतृत्व में ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। फाउंडेशन ने वर्धा, सीकर और ललितपुर जिलों के गाँवों में वर्षा जल संचयन, नदी पुनर्जीवन, सूक्ष्म सिंचाई, प्राकृतिक खेती, बागवानी, किसान पाठशालाएँ, महिला स्व-सहायता समूह, सौर पंप और बायोगैस संयंत्र जैसे नवीकरणीय ऊर्जा समाधान, किसान उत्पादक संगठन, और परिवर्तनकारी शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से 6 लाख से अधिक परिवारों को सशक्त किया है, जिससे लगभग 22 लाख लोगों के जीवन में सुधार हुआ है। 'नेशन बिल्डिंग थ्रू बिजनेस एंड सर्विस' की विचारधारा के तहत, बजाज समूह भारत के सबसे सम्मानित और विविधीकृत औद्योगिक समूहों में से एक के रूप में स्थापित हुआ है। कुशाग्र बजाज के नेतृत्व में समूह की प्रमुख कम्पनियों में शामिल है, बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड जो भारत की सबसे बड़ी एकीकृत चीनी कम्पनी है और उत्तर प्रदेश में 14 चीनी मिलों और 6 एथेनॉल संयंत्रों का संचालन करती है। एक अन्य कम्पनी बजाज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, उत्तर प्रदेश में 6 पावर प्लांटों का संचालन करती है, जिनमें 1,980 मेगावाट क्षमता वाला ललितपुर पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड का सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन भी शामिल है, जो राज्य की लगभग 10% बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है। इसी प्रकार बजाज कंज्यूमर केयर लिमिटेड अपने प्रमुख उत्पाद बजाज आमंड ड्रॉप्स हेयर ऑयल के साथ प्रीमियम हेयर ऑयल कैटेगरी में अग्रणी है। समाज सेवा और औद्योगिक उत्कृष्टता के अद्वितीय संगम के रूप में श्री शिशिर बजाज को मिला सर्वोत्तम नागरिक सम्मान पुरस्कार, उनके अभूतपूर्व योगदान की सच्ची पहचान है।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं भगत की कोठी के बीच एक अतिरिक्त रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन रक्षाबंधन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं भगत की कोठी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 10 अगस्त, 2025 को भगत की कोठी से 14:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 04828 की बुकिंग 09 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वैश्विक आरोग्य पद्धति के अनुरूप है आयुष

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी औषधियों के लिए फामाकोपिया मानकों को निर्धारित करने के लिए अपने अधीनस्थ कार्यालय के रूप में भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए फामाकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) की स्थापना की है, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियम 1945 के अनुसार आधिकारिक सार-संग्रह के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा एमओए ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ सहयोग किया और उत्पादों और सेवाओं के पारंपरिक एवं आधुनिक पहलुओं सहित भारतीय मानकों के निर्माण के लिए बीआईएस की आयुष प्रभाग परिषद के तहत प्रत्येक आयुष पद्धतियों (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी) के लिए सात अनुभागीय समितियों का गठन किया है। ये समितियां तकनीकी विशेषज्ञों, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग प्रतिनिधियों और नियामक निकायों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

दिशानिर्देशों के अनुरूप व्यापक, साक्ष्य-आधारित मानकों को सुनिश्चित किया जा सके। बीआईएस ने कच्चे माल, विनिर्माण प्रक्रियाओं, पैकेजिंग और तैयार उत्पादों को कवर करते हुए भारतीय मानकों की एक श्रृंखला तैयार की है। अब तक आयुष प्रभाग परिषद के तहत सात अनुभागीय समितियों द्वारा उत्पादों और सेवाओं के पारंपरिक और आधुनिक पहलुओं सहित आयुष प्रणालियों से संबंधित 180 भारतीय मानक विकसित किए गए हैं। आयुष प्रणालियों पर तैयार किए गए मानक बीआईएस की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

भारत सरकार के सहयोग से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आयुर्वेद और यूनानी के प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए मानक दस्तावेज प्रकाशित किए हैं। इसके साथ ही आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध में डब्ल्यूएचओ की मानकीकृत शब्दावली भी जारी की गई है। इसके अलावा आयुष मंत्रालय ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय हर्बल फामाकोपिया के विकास का सहयोग करने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ एक परियोजना सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त मंत्रालय आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी (एएसयू) दवाओं के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार औषधि उत्पाद प्रमाणन (सीओपीपी) को बढ़ावा देता है। पारंपरिक चिकित्सा में गुणवत्ता आश्वासन के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अनुरूप एमओए के तहत भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के लिए फामाकोपिया आयोग (पीसीआईएम एंड एच) ने इंडोनेशिया गणराज्य के खाद्य और औषधि प्राधिकरण के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इन प्रयासों का उद्देश्य आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ाना है, जिससे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप वैश्विक बाजारों में आयुष उत्पादों के प्रति उपभोक्ता विश्वास और स्वीकृति में सुधार हो सके।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

हर घर तिरंगा अभियान 2025 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

"हर घर तिरंगा" अभियान 2025 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में दिनांक 08.08.2025 (शुक्रवार) को भावनगर मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक "तिरंगा प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया था। भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस प्रदर्शनी का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा जी के कर कमल से एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। भावनगर मंडल के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय और महिला समिति संचालित किड्स हट तथा बाल मंदिर के बच्चों एवं अध्यापकों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

'हर घर तिरंगा' के इस अभियान के अंतर्गत भावनगर मंडल के मंडल कार्यालय के सभागृह में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भावनगर परा के बच्चे एवं मंडल कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विविध ग्रुप को इस अवसर पर क्वीज कंपटीशन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय क्रमांक वाले ग्रुप को प्रोत्साहित किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन जी की अध्यक्षता एवं उनके मार्गदर्शन में कार्मिक विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 10 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे के सांताक्रुज एवं माहिम स्टेशनों के बीच 09/10 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई,

पश्चिम रेलवे पर रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि अर्थात 09/10 अगस्त, 2025 को सांताक्रुज एवं माहिम स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर 00.00 बजे से 04.00 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 00.30 बजे से 04.30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनें अंधेरी और चर्चगेट स्टेशनों के बीच धीमी लाइन पर चलाई जाएंगी।

तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 10 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

हर्बल दवाओं की सुरक्षा, विनियमन और प्रभावकारिता पर डब्ल्यूएचओ-आईआरसीएच कार्यशाला गाजियाबाद में संपन्न

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग और भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फामाकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) के समर्थन से 6 से 8 अगस्त, 2025 के दौरान गाजियाबाद में तीन-दिवसीय डब्ल्यूएचओ-हर्बल दवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय नियामक सहयोग (आईआरसीएच) कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईआरसीएच की अध्यक्ष डॉ. किम सुंगचोल ने आयुष मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पीसीआईएमएंडएच के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। भूटान, ब्रुनेई, क्यूबा, घाना, इंडोनेशिया, जापान, नेपाल, पैराग्वे, पोलैंड, श्रीलंका और युगांडा के प्रतिनिधिमंडलों ने जहां इसमें प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, वहीं ब्राजील, मिस्र और संयुक्त राज्य अमेरिका ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

यूपीसीए के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट कर आगामी लीग के लिये उनका कुशल मार्गदर्शन प्राप्त किया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आगामी 17 अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रही 'यूपी टी20 लीग सीजन-3' के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से आज जनपद लखनऊ में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान जी ने भेंट कर उनका कुशल मार्गदर्शन प्राप्त किया।

6 सितंबर, 2025 तक होने वाली Cricket League के माध्यम से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। इस खेल प्रतिस्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहुंचने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में 'नया उत्तर प्रदेश', 'नए भारत' को 'खेल महाशक्ति' बनाने हेतु अग्रसर है। अब प्रदेश के गांवों में खेल के मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जनपद स्तर पर स्टेडियम का निर्माण कर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाया जा रहा है। यहां खेल प्रतिभाओं के हुनर को निखारने के लिए उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिल रहा है।

फलस्वरूप, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के युवा खिलाड़ी प्रतिनिधित्व कर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के साथ शासन में नौकरी भी उपलब्ध करा रही है।

मानसी गंगा में डूबने से दो परिक्रमार्थी दोस्तों की मौत : डूब रहे किशोर को बचाने गए दोस्त की भी हुई मौत

मथुरा (जीएनएस)। गोवर्धन तलहटी स्थित मानसी गंगा में स्नान करते समय दो दोस्त, गहरे पानी में डूब गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने मृत दोस्तों के शव को बाहर निकाले। जानकारी के अनुसार कुम्हेर जिला भरतपुर (राजस्थान) निवासी 16 वर्षीय कृष्णा और फरह जिला मथुरा निवासी 14 वर्षीय अमन और मोनू तीनों दोस्त एक साथ भरतपुर में पढ़ते हैं। विगत गुरूवार की रात्रि में तीनों दोस्त, परिक्रमा करने गोवर्धन आए थे। शुक्रवार सुबह परिक्रमा पूर्ण होने के बाद तीनों दोस्त मानसी गंगा में स्नान करने चले गए। बताया जाता है कि मानसी गंगा में स्नान करके सबसे पहले मोनू बाहर आ गया। इसके बाद कपड़े उतारकर अमन स्नान करने मानसी गंगा में उतर गया। उसी दौरान पैर फिसलने के कारण अमन गहरे पानी में चला गया। गहरे पानी में डूब रहे अमन की चीख निकली तो पानी में डूब रहे दोस्त को बचाने के लिए कृष्णा, मानसी गंगा में कूद गया। अपने दोस्त अमन को बचाने वह कृष्णा भी गहरे पानी में डूब गया। गहने पानी में जाने पर दोनों दोस्त निकल ही नहीं पाए। उसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने दोनों दोस्तों को डूबते देखा तो शोर मचा दिया। लोगों के चीखने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोवर्धन पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से पानी में डूबे किशोरों की तलाश की। इसके बाद गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत करके दोनों दोस्त के शवों को मानसी गंगा से बाहर निकाला। हादसे की जानकारी होते ही मृतकों के परिवारों में चीख-पुकार मच गई। मृत किशोर के शव को देखते ही मां बेहोश हो गई। पुलिस ने दोनों दोस्तों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद पुलिस ने श्रद्धालुओं से मानसी गंगा समेत अन्य कुंडों में स्नान करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलस्तर बढ़ने से ऐसे हादसों का खतरा अधिक हो जाता है।

नगर आयुक्त का स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर पूरा जोर : लापरवाह कर्मचारियों पर कर रहे कार्रवाई

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के नजदीक आने पर नगर आयुक्त लगातार महानगर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख मार्गों का निरंतर निरीक्षण कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार नगर आयुक्त जग प्रवेश ने शुक्रवार को वार्ड संख्या 44 (राधिका विहार), वार्ड संख्या 33 (पालीखेड़ा) और मंडी चौराहा तथा इससे जुड़े मुख्य मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने मंडी चौराहा फ्लाईओवर के नीचे सौंदर्यीकरण के लिए पौधारोपण, गमले लगाने और दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग कराने के लिए अवर अभियंता (निर्माण) को निर्देश दिए हैं, जिससे कि जन्माष्टमी पर आने वाले श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव हो सके। इसी के साथ एमआरएफ टायर एजेंसी के पास कच्ची और टूटी सड़क मिलने पर उसे शीघ्र पक्का करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने हल्दीराम प्रतिष्ठान के सामने स्थित डलाव घर को ह्व्यू कटरह्व लगाकर नेचर ग्रीन कंपनी को कवर करने के निर्देश दिए, जिससे गंदगी का दृश्य बाधित हो और स्वच्छता व सुंदरता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंडी चौराहा समेत इससे जुड़े सभी प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इसी के साथ नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में वार्ड संख्या 33 में 4 कर्मचारी औरत वार्ड संख्या 44 में 6 कर्मी अनुपस्थित मिले। गायब मिले कर्मचारियों के खिलाफ एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही वार्ड नंबर 44 की उपस्थिति पंजिका में ओवरराइटिंग पाए जाने पर संबंधित सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने और पुनरावृत्ति पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं सफाई निरीक्षक को मंडी चौराहा समेत आसपास के सभी मार्गों पर उच्चस्तरीय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे किसी भी प्रकार की गंदगी दिखाई न दे। इस बीच नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर नगर निगम द्वारा साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, सड़क मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरी की जाएंगी, ताकि नागरिकों एवं आगंतुक श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर वातावरण प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. गोपाल बाबू गर्ग, मुख्य सफाई निरीक्षक मुकेश शर्मा, सफाई निरीक्षक राजबहादुर, अवर अभियंता निर्माण संदीप सोनकर और नेचर की कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिलाष सांगवान आदि उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित धौली प्याऊ से पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी देवपाल सिंह पुंढीर और कार्यवाहक चौकी प्रभारी धौली प्याऊ रामपाल सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित आरोपियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि आत्महत्या के उकसाने वाला फरार आरोपी, पानी की टंकी आरओ प्लांट के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंच गई और फरार आरोपी नागेन्द्र पुत्र कन्हैयालाल निवासी बजरामऊ थाना चौबेपुर जिला कानपुर नगर, हाल निवासी नारायणपुरी, धौलीप्याऊ थाना कोतवाली, मथुरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

30 वर्षीय युवक की सोते समय हत्या, पुलिस ने बनाई विशेष टीम

(जीएनएस)।
बिजनौर।

मंडावली थाना क्षेत्र के श्यामीवाला गांव में गुरुवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई, जिसमें 30 वर्षीय अशोक कुमार की घर में सोते समय धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। इस घटना से गांव में दहशत और परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, अशोक कुमार पुत्र चंद्रपाल रात में अपने घर में सो रहे थे, तभी अज्ञात हमलावर घर में घुस आए और उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक अविवाहित था और माता-पिता व भाई-बहनों के साथ रहता था। हत्या की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, एसपी सिटी संजीव वाजपेई, नजीबाबाद और मंडावली पुलिस मौके पर पहुंचे। एसपी अभिषेक झा ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त एक धारदार हथियार भी बरामद हुआ है।

एसपी ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है और पुलिस परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

स्वरा भास्कर और फहाद अहमद ने खोली अपनी शादी की डायरी, कलर्स के 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' पर

जब एक बेबाक अभिनेत्री और एक युवा नेता प्यार में पड़ते हैं, तो नतीजा होता है एक ऐसी कहानी, जो एक सेलिब्रिटी शादी के सारे रंग-ढंग समेटे हुए होती है। अपने भव्य लॉन्च के बाद, कलर्स का 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' एक एपिसोड में स्वरा भास्कर और फहाद अहमद की प्रेम कहानी को बयां करता है, जो आत्मीय, भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला है। स्वरा, जो स्क्रीन पर और स्क्रीन से बाहर अपनी बेबाक राय के लिए जानी जाती हैं, और फहाद खुद एक एक्टिविस्ट और नेता हैं, खुलकर अपनी कोर्ट मैरिज की सादगी से लेकर पारंपरिक शादी की भव्यता तक के अनुभव साझा करते हैं।

उनकी वैवाहिक यात्रा अदालत के एक शांत कक्ष से शुरू हुई। एक साधारण, बिना तामझाम की कोर्ट मैरिज से उनके जीवन का नया अध्याय शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह किसी सपने से कम नहीं था। दिल्ली में दस शानदार दिनों तक, स्वरा और फहाद ने उनके नाना-नानी के घर को शादी के उत्सव का केंद्र बना दिया। वही जगह, जहां कभी स्वरा बचपन में खेला करती थीं, अब पवित्र स्थल बन गई, जहां दोनों परिवार पुराने दोस्तों की तरह घुल-मिल गए। जूता छुपाई का खेल धमाकेदार मुकाबले में बदल गया, जिसमें स्वरा के एनआरआई कजिन्स ने डॉलर में फिरौती मांगी, तो वहीं फहाद के दोस्तों ने भी शरारती अदा से माहौल में तड़का लगाया। भावनाओं से भरे वे पल, जब स्वरा ने अपनी मां की साड़ी पहनी, और वे अचानक हुए डांस मुकाबले, जिनमें लड़कीवालों और लड़केवालों की सीमाएं धुंधली हो गईं—यह शादी पुराने रीति-रिवाजों और नए अर्थों का रंगीन संगम बन गई।

स्वरा भास्कर ने अपनी शादी के अनुभव पर कहा, ह्लअपनी शादीशुदा जिंदगी की शुरूआत उसी घर से करना बेहद पोएटिक था, जहां मैंने अपना बचपन बिताया। वही जगह, जहां मैंने कहानियां सुनीं, छुट्टियां बिताईं, बड़े होने की तकलीफें महसूस कींङ्क अब वह हमारी शादी की यादों का भी घर बन गया। वहां जश्न मनाना मेरे लिए मेरे हर रूप—बेटी, पोती और पत्नी—का संगम था। 'पति पत्नी और पंगा' पर अपनी शादी की कहानी बताना मजेदार था। यह शादी परफेक्ट नहीं थी, लेकिन हमने इसे अपने तरीके से खास बनाया।ह्व

फहाद अहमद ने यादें ताजा करते हुए कहा, ह्ल'पति पत्नी और पंगा' पर अपनी शादी को फिर से जीना बेहद यादगार अनुभव था। हम चाहते थे कि हमारी शादी घर जैसी लगे - यह उन अपनों को शामिल करने का मौका था, जिनके सामने हम वह ईमानदारी दिखाना चाहते थे, जो हमने मिलकर बनाई है और जिसे जिंदगी भर संजोएंगे। दो बिल्कुल अलग पृष्ठभूमि वाले परिवार अचानक हंसते, नाचते और ऐसा जश्न मना रहे थे जैसे यह सब उन्होंने हमेशा साथ किया हो। सबसे अच्छा हिस्सा था, रिश्तों को बनते हुए देखना। इतनी सारी अप्रत्याशित बातें हुईं - यह वह चीजें हैं, जो कोई वेडिंग प्लानर डिजाइन नहीं कर सकता।ह्व

नीविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है - 'पति पत्नी और पंगाङ्क जोड़ियों का रियलिटी चेक', को-पावर्ड बायः राजधनी बेसन, पोर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स और लॉरियल पेरिस हायलूरोन प्योर, स्पेशल पार्टनरः विक्रम टी, गीवा और कैच मसाले, एसोसिएट पार्टनरः जूक बैग्स, हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर

रिफाइनरी पुलिस ने नशीले पाउडर समेत एक तस्कर को पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित ओल बैरियर के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि ओल रोड़ बैरियर से होकर एक मादक पदार्थ तस्कर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए।

उसी दौरान उस ओर आ रहे मादक पदार्थ तस्कर धर्मपाल उर्फ पप्पू पुत्र गोपाल निवासी गांव पिलोहरा थाना छाता जिला मथुरा हाल निवासी निवासी भुड़रसू थाना रिफाइनरी को घेरकर पकड़ लिया।

पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके पास से 125 ग्राम नशीला पदार्थ डायजापाम बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की हुई जांचे, वितरित की गई दवाएं

(जीएनएस)।
फतेहपुर। ऐरायां विकास खंड के भादर ग्राम प्रधान रेणुका तिवारी के नेतृत्व में गुरुवार को पंचायत भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायती राज विभाग के समन्वय में किया गया।

स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ ग्राम प्रधान, डॉ. जफर, डॉ. अनुग्रह नारायण एवं संस्था के सी अभिजीत सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों को बारिश के कारण संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक किया गया। तत्पश्चात मरीजों की जांच की गई। इसमें बुखार के 18, जोड़ों के दर्द के 10, जुमार्ना जुकाम के 4, टीबी के 4, त्वचा रोग के 9, मधुमेह के 2, कान के 2, आंख के 3, गर्भवती 12, 6 किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच के बाद दवाएं दी गई। 2 गंभीर मरीजों को सीएचसी के लिए रेफर किया गया। इनके अलावा 24 अन्य की भी जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में निराश्रित महिला पेंशन, फैमिली आईडी और आयुष्मान कार्ड के लिए लोग पहुंचे। टीम में एएनएम सीमा श्रीवास्तव, सीएचओ वैशाली, संगिनी प्रमिला, आयुष्मान मित्र प्रीतम अवस्थी, लैब टेक्नीशियन बबलू, फर्मासिस्ट गोवर्धन, पंचायत सहायक नेहा परवीन, आंगनबाड़ी से किरन, रेखा और आशा से सुषमा, फूलकुमारी, जानकी, माया रहीं।

रक्षाबंधन में मिठाई या साड़ी नहीं, हमें चाहिए पृथक बुंदेलखंड राज्य

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति अभियान का 30वां दिन

(जीएनएस)।
फतेहपुर। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति द्वारा चलाया जा रहा एक राखी बुंदेलखंड के नाम महाअभियान गुरुवार को राजाराम इंटर कॉलेज हरदों में किया गया। छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम राखियां और पत्र भेजकर पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग की। उन्होंने भावपूर्ण ढंग से पत्रों में लिखा कि अबकी बार रक्षाबंधन पर हमें मिठाई या साड़ी नहीं चाहिए, हमें अपना हक पृथक बुंदेलखंड राज्य चाहिए।

मुख्य अतिथि एवं समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय बुंदेलखंडी ने कहाकि हर किसी को समान अधिकार मिलना चाहिए। हमें समान शिक्षा, दवाई, पढ़ाई और कमाई का हक चाहिए। यह संभव तभी होगा जब बुंदेलखंड एक पृथक राज्य बने। उन्होंने कहाकि यह राखियां प्रधानमंत्री को भावनात्मक संदेश देने के साथ-साथ राजनीतिक चेतना भी दे रही हैं। अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार तक जनभावनाओं को पहुंचाना अभियान का उद्देश्य है। उनका कहना हैकि अभियान के तहत बुंदेलखंड के अलग-अलग जिलों से प्रधानमंत्री को राखियां और संदेश भेजे जा रहे हैं। इस मौके पर प्रधानाचार्य तरुण सिंह, शिक्षक लवलेश सिंह, सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

50 लाख के मोबाइल बरामद, मालिकों को सुपुर्द - पुलिस की अनोखी सौगात

(जीएनएस)। / शारिक जैदी
बिजनौर।

जनपद बिजनौर पुलिस ने रक्षाबंधन पर एक सराहनीय कार्य करते हुए 251 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाया। इनकी कुल कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों और विभिन्न थानों में दर्ज प्रार्थना पत्रों पर कार्यवाही करते हुए सर्विलांस टीम ने अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग कर इन मोबाइलों की लोकेशन ट्रैक कर बरामदगी की।

शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित समारोह में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने मोबाइल उनके मालिकों को सुपुर्द किए। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि पुलिस-जनसहयोग को भी मजबूत करती है।

रक्षाबंधन पर दर्दनाक हादसा, स्कूटी फिसलने से युवक की मौत

(जीएनएस)।
बिजनौर।

स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम किवाड़ में रक्षाबंधन के दिन एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। यहां 35 वर्षीय नीतू पुत्र बृजनंदन सिंह की स्कूटी फिसलने से पानी में डूबकर मौत हो गई।

शुक्रवार सुबह नितू अपने घर से सहसपुर स्थित बैंक में पैसे निकालने गया था। लौटते समय जयरामपुर और किवाड़ के बीच करूला नदी के पुल पर पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण पानी भर गया था। पुल पर तेज बहाव के बीच स्कूटी का संतुलन बिगड़ा और नितू पानी में गिर पड़ा। तेज धारा में बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस व 108 एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और नीतू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि नीतू शुक्रवार सुबह ही गुड़गांव से अपने गांव रक्षाबंधन मनाने आया था। उसने अपनी बड़ी बहनों रेखा और बबली को भी त्योहार पर घर आने का न्योता दिया था। खुशियों भरे इस अवसर पर हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और पूरे गांव में मातम का माहौल है।

माननीय मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

बलिया, उत्तर प्रदेश - दिनांक 08 अगस्त, 2025

माननीय मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने आज बलिया जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। मंत्री महोदय ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान माननीय मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी जी के साथ जिलाधिकारी बलिया श्री मंगला प्रसाद सिंह जी, जिलाध्यक्ष बलिया श्री संजय मिश्रा जी, मुख्य विकास अधिकारी श्री ओजस्वी राज जी मौजूद रहे

निरीक्षण के दौरान प्रमुख घोषणाएं

- मंत्री महोदय ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को योगी सरकार द्वारा हर संभव मदद की जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

- उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित किया जाए।

- मंत्री महोदय ने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और उनकी हर संभव मदद कर रही है।

राहत और बचाव कार्य

बलिया जिले में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य जोरों पर है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर स्थापित किए गए हैं और बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक सामग्री प्रदान की जा रही है। मंत्री महोदय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

मंत्री की अपील

मंत्री महोदय ने बाढ़ पीड़ितों से अपील की है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें और अपनी समस्याओं को साझा करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ है और उनकी हर संभव मदद कर रही है।

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को बांधी राखी, लिया सुरक्षा और समृद्धि का आशीर्वाद

लखनऊ। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को राखी बांधकर अपनी रक्षा का आशिर्वाद लिया। शुक्रवार को चौक कोतवाली स्थिति कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर महादेव को महिलाओं ने राखी बांधी। यह कार्यक्रम श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विशाल गौड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। महंत विशाल गौड ने बताया कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के बीच कर्तव्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भगवान ही सबके माता पिता, भाई, मित्र और पीड़ा हरने वाले होते हैं। इस वर्ष से यहां मंदिर में महादेव को राखी बांधकर रक्षा का आशिर्वाद लेने की नयी परंपरा शुरू की गयी है। उन्होने बताया कथाओ के अनुसार देवों और दानवों के बीच युद्ध के दौरान इंद्राणी ने देवराज इंद्र की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा था, जिससे देवताओं की विजय हुई थी। भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया था कि वे पाताल लोक में रहेंगे। देवी लक्ष्मी जो भगवान विष्णु के साथ नहीं रहना चाहती थीं, ने राजा बलि को राखी बांधकर उनसे अपने पति को वापस भेजने का अनुरोध किया। राजा बलि ने प्रसन्न होकर भगवान विष्णु को देवी लक्ष्मी के साथ जाने की अनुमति दी। महंत विशाल गौड़ ने बताया यह पर्व परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और स्नेह को मजबूत करता है। सभी को इसे श्रद्धा से मनाना चाहिए। महादेव ही अपने भक्तों की हम परेशानी में मदद करते हैं इसलिए महिलाओं ने उनको राखी बांधकर अपनी सुख समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद दिया है।